कक्षा दो हिंदी

बच्चे यह सब सीख रहे हैं...

अपनी निजी ज़िंदगी पर आधारित अनुभवों को सुनी और पढ़ी जा रही सामग्री से जोड़ते हुए अपनी बातचीत और लेखन में शामिल करते हैं।

देखी/सुनी/पढ़ी हुई कहानी, कविता आदि के बारे में अपनी मातृभाषा या स्कूल की भाषा में बातचीत करते हैं, प्रश्न पूछते हैं तथा अपने तर्क देते हैं।

पढ़ते समय अर्थ के लिए अनेक तरीकों का इस्तेमाल करते हैं, जैसे–चित्रों और प्रिंट की मदद से अनुमान लगाना, अक्षर-ध्वनि संबंध का इस्तेमाल करना, शब्दों को पहचानना, पूर्व अनुभवों और जानकारी का इस्तेमाल करते हुए अनुमान लगाना।

स्वेच्छा से या शिक्षक द्वारा तय गतिविधि के अंतर्गत चित्रों, आड़ी-तिरछी रेखाओं, स्व-वर्तनी से आगे बढ़ते हुए लेखन के विभिन्न पहलुओं के बारे में जागरूकता दर्शाते हैं।

सुनी हुई और अपने मन की बातों को अपने तरीके से और तरह-तरह के चित्रों/शब्दों/वाक्यों द्वारा लिखित रूप से अभिव्यक्त करते हैं।

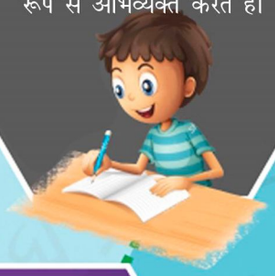

शब्दों और ध्वनियों के साथ खेल का मज़ा लेते हुए लय और तुक वाले शब्द बनाते हैं, जैसे–एक था पहाड़, उसका भाई था दहाड़, दोनों गए खेलने...।

कक्षा या पुस्तकालय से अपनी पसंद की किताबों को स्वयं चुनकर पढ़ने की कोशिश करते हैं।

हिंदी वर्णमाला के अक्षरों की आकृति और ध्वनि को पहचानते हैं।

अपनी कल्पना से कहानी, कविता आदि सुनाते या आगे बढ़ाते हैं।

लिखे हुए वाक्य में अक्षर, शब्द और वाक्य की इकाइयों को समझते हैं, जैसे–'मेरा नाम विमला है।' बताओ, इस वाक्य में कितने शब्द हैं? 'नाम' शब्द में कितने अक्षर हैं? या 'नाम' शब्द में कौन-कौन से अक्षर हैं?

विद्यया ऽ मृतमश्नुते
एन सी ई आर टी
NCERT

सत्यमेव जयते
हिमाचल प्रदेश सरकार

शिक्षा का अधिकार
सर्व शिक्षा अभियान
सब पढ़ें सब बढ़ें